

HINDI FILE



DREAM
FOR NATION



DARE
TO SERVE



DELIVER
WITH INTEGRITY

DAILY PRACTICE QUESTIONS

BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM

DATE : **SEPTEMBER 24, 2026**



Comprehensive
Coverage



Exam-Focused
Analysis



Concept Clarity
& Insights



Practice MCQs
with Explanation



Daily Updates,
Better Results



CONTACT INFO:

+91 92896 33341 | +91 96679 33341



EMAIL ID:

info@sixsigmaias.com



WEB PAGE:

www.sixsigmaias.com



ADDRESS:

C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

Q.1. मध्यकालीन भारत में सूफी परंपराओं के विकास के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. चिश्ती संत आमतौर पर शासक कुलीनों (शासक वर्ग) के साथ सीधे राजनीतिक संबंधों से बचते थे और आम लोगों से निकटता पर जोर देते थे।
2. सुहरावर्दी सिलसिले ने सैद्धांतिक सिद्धांत के रूप में बंदोबस्त (endowments/वक्फ़) और राज्य के संरक्षण को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) दोनों कथन
- (c) दोनों में से कोई भी कथन नहीं
- (d) कथनों की सत्यता संबंधित क्षेत्र पर निर्भर करती है

- **उत्तर: (a)**
- **स्पष्टीकरण:**

- **कथन 1 सही है:** चिश्ती संतों, विशेष रूप से ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती, बाबा फरीद और निजामुद्दीन औलिया ने आध्यात्मिक जीवन, मानवता की सेवा और राजनीतिक सत्ता से सापेक्ष दूरी पर जोर दिया।
- **कथन 2 गलत है:** सुहरावर्दी सिलसिला तुलनात्मक रूप से राज्य के संरक्षण, अनुदान और आधिकारिक संबंधों को स्वीकार करने के लिए अधिक इच्छुक था। चिश्तियों के विपरीत, उन्होंने शासक वर्ग से पूरी तरह परहेज नहीं किया।
- इसलिए, केवल एक कथन सही है।

Q.2. पारिस्थितिक अनुक्रमण (Ecological Succession) के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सबसे उपयुक्त है?

- (a) प्राथमिक अनुक्रमण (Primary succession) आम तौर पर द्वितीयक अनुक्रमण (Secondary succession) की तुलना में धीमी गति से आगे बढ़ता है क्योंकि मिट्टी का निर्माण स्वयं में एक सीमित करने वाला कारक है।
- (b) द्वितीयक अनुक्रमण के परिणामस्वरूप हमेशा मूल पारिस्थितिक तंत्र की तुलना में एक अलग चरम समुदाय (climax community) का निर्माण होता है।
- (c) प्राथमिक अनुक्रमण केवल ज्वालामुखीय क्षेत्रों में ही हो सकता है।
- (d) द्वितीयक अनुक्रमण वनस्पति और मिट्टी दोनों के पूर्ण रूप से नष्ट होने के बाद ही शुरू होता है।

- **उत्तर: (a)**

• **स्पष्टीकरण:**

- प्राथमिक अनुक्रमण एक ऐसी नग्न सतह पर शुरू होता है जहां मिट्टी अनुपस्थित होती है, जैसे कि अनावृत चट्टानें, लावा प्रवाह या नए बने भूमि क्षेत्र। अग्रणी प्रजातियों (pioneer species) और अपक्षय (weathering) के माध्यम से मिट्टी के निर्माण में काफी समय लगता है।
- द्वितीयक अनुक्रमण वहां होता है जहां मिट्टी पहले से मौजूद होती है, जैसे कि जंगल की आग, बाढ़ या खेती छोड़ देने के बाद। इसलिए, इसमें पारिस्थितिक सुधार (recovery) आमतौर पर तेज होता है।
- **विकल्प (b) गलत है** क्योंकि द्वितीयक अनुक्रमण अंततः मूल चरम समुदाय को बहाल कर सकता है।
- **विकल्प (c) गलत है** क्योंकि प्राथमिक अनुक्रमण ज्वालामुखीय क्षेत्रों के अलावा कई अन्य स्थितियों में भी हो सकता है।
- **विकल्प (d) गलत है** क्योंकि मिट्टी की उपस्थिति ही द्वितीयक अनुक्रमण की परिभाषित विशेषता है।

Q.3. किसी अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति (Money Supply) और साख सृजन (Credit Creation) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वाणिज्यिक बैंक वैधानिक आरक्षित आवश्यकताओं (statutory reserve requirements) से अधिक अपने अतिरिक्त भंडार (excess reserves) की सीमा तक ही साख का सृजन कर सकते हैं।
2. नकद आरक्षित अनुपात (CRR) में गिरावट आम तौर पर वाणिज्यिक बैंकों की ऋण देने की क्षमता को बढ़ाती है।
3. बहु-साख सृजन (multiple credit creation) की प्रक्रिया जनता के मुद्रा-धारण व्यवहार (currency-holding behaviour) से पूरी तरह स्वतंत्र होती है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीनों
- (d) कोई नहीं

• **उत्तर: (b)**

• **स्पष्टीकरण:**

- **कथन 1 सही है:** बैंक आवश्यक आरक्षित अनुपात को बनाए रखने के बाद मुख्य रूप से अपने अतिरिक्त भंडार (excess reserves) के माध्यम से साख (क्रेडिट) का सृजन कर सकते हैं।
- **कथन 2 सही है:** नकद आरक्षित अनुपात (CRR) में कमी से बैंकों के पास अधिक ऋण देने योग्य संसाधन बचते हैं, जिससे साख सृजन का विस्तार होता है।

- **कथन 3 गलत है:** साख सृजन की सीमा काफी हद तक मुद्रा-जमा अनुपात (currency-deposit ratio) और जनता की नकदी रखने की प्रवृत्ति पर निर्भर करती है। अधिक नकदी रिसाव (cash leakage) मुद्रा गुणक (money multiplier) को कम करता है।
- इसलिए, केवल दो कथन सही हैं।

Q.4. भारत की संसद की संवैधानिक स्थिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. धन विधेयक (Money Bills) केवल लोकसभा में और केवल राष्ट्रपति की पूर्व सिफारिश पर ही पेश किए जा सकते हैं।
2. राज्यसभा धन विधेयक में संशोधन कर सकती है यदि ऐसे संशोधनों को लोकसभा द्वारा स्वीकार कर लिया जाता है।
3. संविधान संशोधन विधेयक (Constitutional Amendment Bill) संसद के किसी भी सदन में पेश किया जा सकता है।
4. किसी साधारण विधेयक के मामले में, संयुक्त बैठक (joint sitting) तभी बुलाई जा सकती है जब राज्यसभा विधेयक को खारिज कर दे।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चारों

• **उत्तर: (c)**

• **स्पष्टीकरण:**

- **कथन 1 सही है:** अनुच्छेद 109 और अनुच्छेद 117 यह प्रावधान करते हैं कि धन विधेयक केवल लोकसभा में ही उत्पन्न हो सकता है और इसके लिए राष्ट्रपति की पूर्व सिफारिश आवश्यक है।
- **कथन 2 सही है:** राज्यसभा धन विधेयक में संशोधनों की सिफारिश कर सकती है, और लोकसभा उन सिफारिशों को स्वीकार या अस्वीकार कर सकती है।
- **कथन 3 सही है:** अनुच्छेद 368 के तहत संविधान संशोधन विधेयक संसद के किसी भी सदन में पेश किया जा सकता है।
- **कथन 4 गलत है:** एक संयुक्त बैठक न केवल तब बुलाई जा सकती है जब राज्यसभा किसी विधेयक को खारिज कर देती है, बल्कि तब भी बुलाई जा सकती है जब दोनों सदन अंततः असहमत हों या जब राज्यसभा छह महीने के भीतर विधेयक को पारित न करे।
- इसलिए, तीन कथन सही हैं।

Q.5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- **कथन (Assertion - A):** हिमालय की नदियाँ आम तौर पर अपने निचले मार्गों में कई प्रायद्वीपीय नदियों की तुलना में जल विसर्जन (discharge) में अधिक मौसमी परिवर्तनशीलता प्रदर्शित करती हैं।
- **कारण (Reason - R1):** हिमालय की नदियों को मानसूनी वर्षा और बर्फ या हिमनद (ग्लेशियर) के पिघलने दोनों से जल प्राप्त होता है।
- **कारण (Reason - R2):** अधिकांश प्रायद्वीपीय नदियाँ पूरी तरह से बारहमासी (perennial) हैं और हिमनदों से प्रचुर मात्रा में जल प्राप्त करती हैं।

(a) R1 और R2 दोनों सही हैं और दोनों A की व्याख्या करते हैं।

(b) R1 सही है लेकिन R2 गलत है।

(c) R1 और R2 दोनों सही हैं लेकिन केवल एक ही A की व्याख्या करता है।

(d) न तो R1 सही है और न ही R2 सही है।

• **उत्तर: (b)**

• **स्पष्टीकरण:**

- कथन (A) व्यापक रूप से सही है। हिमालय की नदियों में महत्वपूर्ण मौसमी उतार-चढ़ाव दिखाई देते हैं क्योंकि मानसूनी वर्षा वर्षा ऋतु के दौरान जल के विसर्जन को काफी बढ़ा देती है, जबकि बर्फ और हिमनद का पिघलना इसमें अतिरिक्त प्रवाह जोड़ता है।
- **कारण 1 (R1) सही है** क्योंकि पानी के दोहरे स्रोत — वर्षा और बर्फ/हिमनद का पिघलना — हिमालय की नदियों की विशेषता हैं।
- **कारण 2 (R2) गलत है।** अधिकांश प्रायद्वीपीय नदियाँ वर्षा पर निर्भर हैं और काफी हद तक मानसून पर आश्रित हैं। वे आम तौर पर हिमनद (ग्लेशियर) से पोषित नहीं होती हैं, और कई नदियाँ मौसमी विशेषताएं प्रदर्शित करती हैं (गर्मियों में सूख जाती हैं)।
- इसलिए, R1 सही है जबकि R2 गलत है, जिससे विकल्प (b) सही उत्तर बनता है।

Q.1. ब्लूमबर्ग ग्लोबल एग्रीगेट बॉन्ड इंडेक्स (Bloomberg Global Aggregate Bond Index) में भारत सरकार की प्रतिभूतियों (Government Securities) को शामिल करने के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सूचकांक (इंडेक्स) में भारत सरकार की प्रतिभूतियों को शामिल करने के लिए आवश्यक है कि भारत अनिवार्य रूप से पूर्ण पूंजी खाता परिवर्तनीयता (full capital account convertibility) को अपनाए।
2. पूर्ण सुलभ मार्ग (Fully Accessible Route - FAR) के तहत आने वाली प्रतिभूतियाँ बिना किसी निवेश सीमा के अनिवासियों (non-residents) द्वारा निवेश के लिए पात्र हैं।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) उपरोक्त में से कोई नहीं
- (d) दोनों कथन भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा अधिसूचना के बाद ही सही हैं

- **उत्तर: (a)**
- **स्पष्टीकरण:**

- **कथन 1 गलत है:** वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में शामिल होने के लिए पूर्ण पूंजी खाता परिवर्तनीयता की आवश्यकता नहीं होती है। कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं ने कुछ पूंजी नियंत्रणों को बनाए रखते हुए भी सूचकांक में स्थान प्राप्त किया है।
- **कथन 2 सही है:** पूर्ण सुलभ मार्ग (FAR) के तहत निर्दिष्ट सरकारी प्रतिभूतियाँ बिना किसी निवेश सीमा के विदेशी निवेशकों के लिए उपलब्ध हैं।
- वैश्विक सूचकांकों में भारतीय बॉन्ड को शामिल करने से पैसिव इनफ्लो (passive inflows) बढ़ने, तरलता (liquidity) में सुधार होने और संप्रभु ऋण लागत (borrowing costs) कम होने की उम्मीद है।

Q.2. प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

- (a) प्रधानमंत्री कार्यालय संविधान के अनुच्छेद 74 के तहत स्थापित एक संवैधानिक निकाय (constitutional body) है।
- (b) प्रधानमंत्री कार्यालय शासन, समन्वय और नीति निर्माण में प्रधानमंत्री की सहायता करने वाली एक स्टाफ एजेंसी के रूप में कार्य करता है।
- (c) प्रधानमंत्री कार्यालय सभी केंद्रीय मंत्रालयों पर प्रत्यक्ष कार्यकारी अधिकार (direct executive authority) का प्रयोग करता है।
- (d) भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियमों के तहत प्रधानमंत्री कार्यालय का प्रमुख कैबिनेट सचिव (Cabinet Secretary) होता है।

- **उत्तर: (b)**
- **स्पष्टीकरण:**

- PMO एक गैर-संवैधानिक कार्यकारी कार्यालय (extra-constitutional executive office) है जो प्रधानमंत्री के सचिवालय के रूप में कार्य करता है। यह नीति समन्वय, प्रशासन, निगरानी और संचार में सहायता प्रदान करता है।
- यह न तो संवैधानिक है और न ही वैधानिक (statutory) निकाय है। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव (Principal Secretary) आमतौर पर PMO में सबसे वरिष्ठ अधिकारी होते हैं।

Q.3. नाइट विज़न डिवाइसेस (Night Vision Devices - NVDs) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. थर्मल इमेजिंग डिवाइस (Thermal imaging devices) वस्तुओं द्वारा उत्सर्जित इन्फ्रारेड (अवरक्त) विकिरण को संवेदित (sense) करके पूर्ण अंधकार में भी वस्तुओं का पता लगा सकते हैं।
2. इमेज इंटेंसिफायर डिवाइस (Image intensifier devices) मुख्य रूप से लक्ष्यों से परावर्तित गामा विकिरण (gamma radiation) का पता लगाकर काम करते हैं।

3. थर्मल इमेजर आमतौर पर केवल दृश्य रंगों (visible colours) पर आधारित छलावरण (camouflage/छिपने की तकनीक) से कम प्रभावित होते हैं।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीनों
(d) कोई नहीं

• **उत्तर: (b)**

• **स्पष्टीकरण:**

- **कथन 1 सही है:** थर्मल इमेजर वस्तुओं द्वारा उत्सर्जित इन्फ्रारेड ऊर्जा का पता लगाते हैं और पूर्ण अंधकार में भी कार्य कर सकते हैं।
- **कथन 2 गलत है:** इमेज इंटेन्सिफायर उपलब्ध परिवेशी प्रकाश (ambient light) जैसे कि चंद्रमा की रोशनी या तारों की रोशनी को प्रवर्धित (amplify) करते हैं। वे गामा विकिरण का पता नहीं लगाते हैं।
- **कथन 3 सही है:** चूंकि थर्मल इमेजर दृश्य रंगों के बजाय हीट सिग्नचर (ताप के संकेतों) पर भरोसा करते हैं, इसलिए पारंपरिक दृश्य छलावरण (visual camouflage) इनके खिलाफ अप्रभावी हो सकता है।
- इस प्रकार, केवल कथन 1 और 3 सही हैं।

Q.4. LPMS-विनिमय प्रणाली (LPMS-Vinimay System) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह प्रणाली निर्यात-आयात से संबंधित लेनदेन के इलेक्ट्रॉनिक प्रसंस्करण (processing) और निगरानी की सुविधा के लिए डिज़ाइन की गई है।
2. यह प्लेटफॉर्म बेहतर विदेशी मुद्रा रिपोर्टिंग के लिए सीमा शुल्क (customs) और बैंकिंग चैनलों के बीच एकीकरण (integration) की मांग करता है।
3. यह प्रणाली भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा प्रशासित विदेशी मुद्रा नियमों के ढांचे के तहत काम करती है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीनों
(d) कोई नहीं

• **उत्तर: (c)**

• **स्पष्टीकरण:**

- निर्यात और आयात लेनदेन की निगरानी को सुव्यवस्थित करने के लिए LPMS-विनिमय प्रणाली शुरू की गई है।
- **कथन 1 सही है:** यह प्रणाली डिजिटल प्रसंस्करण और निगरानी की सुविधा प्रदान करती है।
- **कथन 2 सही है:** यह अधिकृत डीलर बैंकों (authorized dealer banks) और व्यापार-संबंधित डेटा प्रणालियों के बीच बेहतर समन्वय प्रदान करती है।
- **कथन 3 सही है:** यह ढांचा आरबीआई द्वारा देखे जाने वाले विदेशी मुद्रा प्रबंधन नियमों (foreign exchange management regulations) के भीतर काम करता है।
- इसलिए, सभी तीनों कथन सही हैं।

Q.5. चुनाव चिन्ह (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 [Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968] के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. निर्वाचन आयोग (Election Commission) इस आदेश को जारी करने का अपना अधिकार संविधान के अनुच्छेद 324 से प्राप्त करता है।
2. राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय या राज्य दलों के रूप में मान्यता देना इसी आदेश के प्रावधानों द्वारा शासित होता है।

3. चुनाव चिन्हों से संबंधित विवादों के निपटारे का अधिकार केवल उच्चतम न्यायालय (Supreme Court) के पास है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीनों
- (d) कोई नहीं

• **उत्तर: (b)**

• **स्पष्टीकरण:**

- **कथन 1 सही है:** निर्वाचन आयोग सिंबल ऑर्डर (Symbols Order) जारी करने के लिए अनुच्छेद 324 के तहत शक्तियों का प्रयोग करता है।
- **कथन 2 सही है:** यह आदेश दलों की मान्यता और प्रतीकों के आरक्षण से संबंधित प्रावधान निर्धारित करता है।
- **कथन 3 गलत है:** निर्वाचन आयोग स्वयं सिंबल ऑर्डर के तहत चुनाव चिन्हों से संबंधित विवादों का फैसला करता है, हालांकि इसके फैसले न्यायिक समीक्षा (judicial review) के अधीन होते हैं।
- इसलिए, केवल दो कथन सही हैं।

Q.6. जोजिला सुरंग (Zojila Tunnel) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका निर्माण श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर जोजिला दर्रे (Zojila Pass) के नीचे किया जा रहा है।
2. यह सुरंग कश्मीर घाटी और लद्दाख के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी (all-weather connectivity) प्रदान करेगी।
3. जोजिला दर्रा वृहत हिमालय (Greater Himalaya) और काराकोरम श्रेणियों के बीच स्थित है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीनों
- (d) कोई नहीं

• **उत्तर: (b)**

• **स्पष्टीकरण:**

- **कथन 1 सही है:** इस सुरंग का निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग-1 (NH-1) पर जोजिला दर्रे के नीचे किया जा रहा है।
- **कथन 2 सही है:** इसका उद्देश्य श्रीनगर, कारगिल और लेह के बीच साल भर संपर्क (year-round connectivity) प्रदान करना है।
- **कथन 3 गलत है:** जोजिला दर्रा वृहत हिमालय (Great Himalayan) क्षेत्र में स्थित है और कश्मीर तथा लद्दाख के बीच एक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। यह वृहत हिमालय और काराकोरम श्रेणियों के बीच स्थित नहीं है।
- इसलिए, केवल दो कथन सही हैं।

दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

सामान्य अध्ययन - 1 (GS-1)

Q.1 "भक्ति और सूफी आंदोलनों ने मध्यकालीन भारत में सामाजिक विरोध और आध्यात्मिक सुधार दोनों का प्रतिनिधित्व किया।" भारतीय समाज और संस्कृति में उनके योगदान का परीक्षण कीजिए। (15 अंक)

मॉडल उत्तर (Sample Answer)

भूमिका: भक्ति और सूफी आंदोलन मध्यकालीन भारत के दौरान महत्वपूर्ण सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों के रूप में उभरे। उन्होंने रूढ़िवादी धार्मिक प्रथाओं को चुनौती दी और भक्ति, समानता तथा आध्यात्मिक अनुभव पर जोर दिया।

पृष्ठभूमि: जटिल जाति व्यवस्था, कर्मकांड और धार्मिक रूढ़िवाद ने सामाजिक तनाव पैदा कर दिया था। इस संदर्भ में, भक्ति संतों और सूफी मनीषियों (रहस्यवादियों) ने मोक्ष के मार्ग के रूप में 'भक्ति और प्रेम' का प्रचार किया।

भक्ति आंदोलन का योगदान:

- **कर्मकांडों का विरोध:** कबीर और गुरु नानक जैसे संतों ने खोखले कर्मकांडों और पुरोहिती प्रभुत्व की कड़ी आलोचना की।
- **सामाजिक समानता:** इस आंदोलन ने जातिगत भेदभाव का विरोध किया। संतों ने सभी समुदायों के अनुयायियों को स्वीकार किया।
- **क्षेत्रीय भाषाएँ:** स्थानीय और क्षेत्रीय भाषाओं (vernacular languages) में साहित्य का बड़े पैमाने पर विकास हुआ। तुलसीदास, मीराबाई और सूरदास ने क्षेत्रीय संस्कृतियों को समृद्ध किया।
- **धार्मिक सद्भाव:** भक्ति संतों ने सार्वभौमिक भाईचारे पर बल दिया।

सूफी आंदोलन का योगदान:

- **प्रेम और भक्ति:** सूफियों ने ईश्वर और मानवता के प्रति प्रेम पर जोर दिया।
- **सामाजिक केंद्रों के रूप में खानकाह:** खानकाहों ने लोगों को आश्रय, भोजन और शिक्षा प्रदान की।
- **सांप्रदायिक सद्भाव:** सूफी संतों ने हिंदुओं और मुसलमानों दोनों को समान रूप से आकर्षित किया।
- **सांस्कृतिक प्रभाव:** संगीत, कव्वाली, वास्तुकला और साहित्य का व्यापक विकास हुआ।

सीमाएँ:

- सामाजिक असमानताएँ पूरी तरह से समाप्त नहीं हुईं।
- कई सुधारवादी विचार केवल आध्यात्मिक क्षेत्रों तक ही सीमित रह गए।

निष्कर्ष: भक्ति और सूफी परंपराओं ने सहिष्णुता, सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक संश्लेषण (cultural synthesis) को बढ़ावा दिया, जिससे भारत की मिली-जुली (साझा) संस्कृति की नींव पड़ी।

सामान्य अध्ययन - 2 (GS-2)

Q.2 "समकालीन भारत में सहकारी संघवाद (Cooperative Federalism) केंद्र-राज्य संबंधों का मार्गदर्शक सिद्धांत बन गया है। इससे जुड़े अवसरों और चुनौतियों की चर्चा कीजिए।" (15 अंक)

मॉडल उत्तर (Sample Answer)

भूमिका: भारत एक मजबूत केंद्र वाली संघीय व्यवस्था का पालन करता है। हाल के वर्षों में, केंद्र-राज्य संबंधों को सुधारने के लिए सहकारी संघवाद एक महत्वपूर्ण तंत्र के रूप में उभरा है।

अर्थ: सहकारी संघवाद का तात्पर्य नीति निर्माण और उसके कार्यान्वयन (implementation) में केंद्र (संघ) और राज्यों के बीच सहयोग से है।

संवैधानिक आधार:

- सातवीं अनुसूची (Seventh Schedule)
- अंतर-राज्यीय परिषद (Inter-State Council)
- वित्त आयोग (Finance Commission)
- जीएसटी परिषद (GST Council)

अवसर (Opportunities):

1. **बेहतर नीति समन्वय:** संयुक्त प्रयास कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में सुधार लाते हैं।

2. **राजकोषीय सहयोग (Fiscal Cooperation):** जीएसटी परिषद आम सहमति बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बन गई है।
3. **क्षेत्रीय विकास:** पिछड़े राज्यों को विशेष सहायता प्रदान की जा सकती है।
4. **आपदा प्रबंधन:** कोविड-19 (COVID-19) ने केंद्र-राज्य समन्वय के महत्व को प्रदर्शित किया।

चुनौतियाँ (Challenges):

- राजकोषीय (वित्तीय) विवाद।
- राज्यपाल और राज्य सरकारों के बीच टकराव।
- धन (फंड) के हस्तांतरण में देरी।
- राजनीतिक मतभेद।
- क्षेत्रीय आकांक्षाएँ।

हाल के उदाहरण:

- जीएसटी मुआवजे (compensation) को लेकर बहस।
- केंद्र प्रायोजित योजनाओं (Centrally Sponsored Schemes) पर असहमति।
- जल-बंटवारे के विवाद।

आगे की राह (Way Forward):

- अंतर-राज्यीय परिषद को मजबूत करना।
- अधिक राजकोषीय स्वायत्तता देना।
- संस्थागत परामर्श (Institutionalized consultation) को बढ़ावा देना।
- सहकारी निर्णय लेने की प्रक्रिया अपनाना।

निष्कर्ष: राष्ट्रीय एकता के साथ क्षेत्रीय आकांक्षाओं को संतुलित करने के लिए सहकारी संघवाद अत्यंत आवश्यक है।

सामान्य अध्ययन – 3 (GS-3)

Q.3 "बुनियादी ढांचे (Infrastructure) का विकास आर्थिक विकास की एक पूर्व-शर्त (prerequisite) और परिणाम दोनों है।" भारत में परिवहन, ऊर्जा और डिजिटल बुनियादी ढांचे के विशेष संदर्भ में चर्चा कीजिए। (15 अंक)

मॉडल उत्तर (Sample Answer)

भूमिका: बुनियादी ढांचा (इन्फ्रास्ट्रक्चर) आर्थिक विकास की रीढ़ है। यह उत्पादन, व्यापार, निवेश और रोजगार को सुगम बनाता है।

परिवहन बुनियादी ढांचा (Transport Infrastructure):

- राजमार्ग और एक्सप्रेसवे लॉजिस्टिक्स लागत (logistics costs) को कम करते हैं।
- डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFCs) माल ढुलाई की आवाजाही में सुधार करते हैं।
- बंदरगाह (Ports) और हवाई अड्डे व्यापार को बढ़ावा देते हैं।

ऊर्जा बुनियादी ढांचा (Energy Infrastructure):

- विश्वसनीय बिजली उद्योगों को सहायता प्रदान करती है।
- नवीकरणीय ऊर्जा (Renewable energy) क्षमता का तेजी से विस्तार हुआ है।
- ग्रीन हाइड्रोजन पहल सतत विकास (sustainability) को प्रोत्साहित करती है।

डिजिटल बुनियादी ढांचा (Digital Infrastructure):

- ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी।
- डिजिटल भुगतान।
- ई-गवर्नेंस सेवाएँ।
- यूपीआई (UPI) का व्यापक विस्तार।

आर्थिक लाभ:

- उच्च उत्पादकता।
- अधिक निवेश।
- रोजगार सृजन।
- क्षेत्रीय विकास।

चुनौतियाँ:

- वित्तपोषण (Financing) की बाधाएं।
- भूमि अधिग्रहण (Land acquisition)।
- पर्यावरणीय चिंताएँ।
- परियोजनाओं में देरी।

सरकारी पहलें:

- पीएम गति शक्ति (PM Gati Shakti)।
- राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (National Infrastructure Pipeline)।
- भारतमाला (Bharatmala)।
- सागरमाला (Sagarmala)।

निष्कर्ष: बुनियादी ढांचे में निवेश एक विकास गुणक (growth multiplier) के रूप में कार्य करता है और विकसित राष्ट्र का दर्जा हासिल करने के लिए अपरिहार्य है।

Q.4 "लोक प्रशासन में सत्यनिष्ठा (Integrity) केवल नियमों का पालन करना नहीं है बल्कि जन कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता है।" चर्चा कीजिए। (10 अंक)

मॉडल उत्तर (Sample Answer)

भूमिका: सत्यनिष्ठा का तात्पर्य मूल्यों, सिद्धांतों और कार्यों के बीच निरंतरता (consistency) से है। लोक प्रशासन में यह जनता का विश्वास सुनिश्चित करती है।

सत्यनिष्ठा के आयाम:

- ईमानदारी।
- जवाबदेही (Accountability)।
- पारदर्शिता (Transparency)।
- प्रतिबद्धता (Commitment)।

नियमों के अनुपालन से परे (Beyond Rule Compliance): एक लोक सेवक जन कल्याण की अनदेखी करते हुए भी तकनीकी रूप से नियमों का पालन कर सकता है। नैतिक प्रशासन के लिए सहानुभूति (empathy) और संवेदनशीलता/अनुक्रियाशीलता (responsiveness) आवश्यक है।

महत्व:

- भ्रष्टाचार को कम करता है।
- जनता में विश्वास पैदा करता है।
- सेवा वितरण (service delivery) में सुधार करता है।
- जवाबदेही को बढ़ावा देता है।

उदाहरण:

- पारदर्शी खरीद (Transparent procurement) प्रक्रिया।
- आपदा राहत कार्य।
- नागरिक-केंद्रित प्रशासन (Citizen-centric administration)।

चुनौतियाँ:

- राजनीतिक दबाव।
- भ्रष्टाचार।
- हितों का टकराव (Conflict of interest)।

उपाय:

- नैतिकता प्रशिक्षण (Ethics training)।
- व्हिसलब्लोअर संरक्षण (Whistleblower protection)।
- सामाजिक अंकेक्षण (Social audits)।
- आचार संहिता (Code of conduct)।

निष्कर्ष: वास्तविक सत्यनिष्ठा नागरिकों के प्रति नैतिक जिम्मेदारी के साथ कानूनी अनुपालन (legal compliance) का संयोजन है।

Q.5 "अंटार्कटिक संधि प्रणाली (Antarctic Treaty System) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के सबसे सफल उदाहरणों में से एक के रूप में उभरी है। समकालीन भू-राजनीति और पर्यावरणीय शासन (environmental governance) में इसके महत्व का परीक्षण कीजिए।" (15 अंक)

मॉडल उत्तर (Sample Answer)

भूमिका: अंटार्कटिक संधि प्रणाली (ATS) 23 जून 1961 को लागू हुई थी। इसने अंटार्कटिका को शांति और वैज्ञानिक सहयोग के लिए समर्पित क्षेत्र के रूप में स्थापित किया।

प्रमुख प्रावधान:

- अंटार्कटिका का उपयोग विशेष रूप से शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।
- सैन्य गतिविधियाँ प्रतिबंधित हैं।
- वैज्ञानिक अनुसंधान की स्वतंत्रता।
- क्षेत्रीय विवादों का निलंबन (Suspension of territorial disputes)।

महत्व:

1. **वैज्ञानिक सहयोग:** कई देशों के वैज्ञानिक संयुक्त अनुसंधान का संचालन करते हैं।
2. **पर्यावरण संरक्षण:** मैड्रिड प्रोटोकॉल (Madrid Protocol) खनिज संसाधनों के दोहन को प्रतिबंधित करता है।
3. **जलवायु परिवर्तन अध्ययन:** अंटार्कटिका महत्वपूर्ण जलवायु रिकॉर्ड (crucial climate records) प्रदान करता है।
4. **शांतिपूर्ण शासन:** यह महाद्वीप सैन्य संघर्षों से मुक्त बना हुआ है।

भारत की भूमिका: भारत निम्नलिखित अनुसंधान स्टेशनों का संचालन करता है:

- दक्षिण गंगोत्री (Dakshin Gangotri)
- मैत्री (Maitri)
- भारती (Bharati)

उभरती चुनौतियाँ:

- रणनीतिक प्रतिस्पर्धा (Strategic competition)।
- संसाधनों में हित/रुचि।
- पर्यटन।
- जलवायु परिवर्तन।

आगे की राह:

- पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों को मजबूत करना।
- वैज्ञानिक सहयोग का विस्तार करना।
- पर्यटन को विनियमित (Regulate) करना।
- अंटार्कटिका को 'ग्लोबल कॉमन्स' (Global Commons/वैश्विक धरोहर) के रूप में संरक्षित रखना।

निष्कर्ष: अंटार्कटिक संधि प्रणाली यह दर्शाती है कि विज्ञान, शांति और पर्यावरण संरक्षण को संतुलित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से वैश्विक धरोहरों का प्रभावी ढंग से संचालन किया जा सकता है।